विषय-क्रम

- **प्रस्तावना** : आधुनिक भारतीय राज्य की विकासवादी पृष्ठभूमि *(xi)*
  महेंद्र प्रसाद सिंह
- **विषय प्रवेश** : समकालीन विश्व में राष्ट्रवाद का दर्शन एवं राजनीति *(xxv)*
  अभय प्रसाद सिंह

1. **राष्ट्र की संकल्पना I : शास्त्रीय ग्रंथों में** 1
   दिलीप कुमार झा

   अपने-अपने राष्ट्र, राष्ट्र की अवधारणा, प्राचीन संस्कृत साहित्य में "राष्ट्र" शब्द का प्रयोग, भारत राष्ट्र, राष्ट्रीयता का स्वरूप

2. **राष्ट्र की संकल्पना II : बौद्ध ग्रंथों में** 14
   कृष्ण मुरारी
3. **राष्ट्र की संकल्पना III : भारतीय साहित्य में** 20
   रतीशचंद्र झा
4. **राष्ट्र की संकल्पना IV : ऐतिहासिक अनुशीलन में** 26
   आनन्द वर्द्धन

   राष्ट्रवाद का धर्मशास्त्रीय पक्ष राष्ट्रीय कला व स्थापत्य, राजा सर्फोजी द्वितीय का सरस्वती भंडार एवं भारतीय वांङमय का संग्रह

5. **राष्ट्रवाद के विभिन्न उपागम : भारत के संदर्भ में** 42
   अभय कुमार

   राष्ट्रवाद : एक आधुनिक संकल्पना, भारतीय राष्ट्रवाद के अध्ययन के प्रमुख उपागम, कैंब्रिज या साम्राज्यवादी स्कूल, मूल्यांकन, राष्ट्रवादी स्कूल, मार्क्सवादी स्कूल, मूल्यांकन, सबआल्टर्न उपागम

6. **भारत में अंग्रेजों का आगमन : औपनिवेशिक शासन की शुरुआत** 66
   सोनू कुमार

   अंग्रेजी सत्ता का सुदृढ़ीकरण, साम्राज्यवादी शासन : औचित्यता के प्रयास, नागरिक प्रशासन, कानून की स्थापना : संस्थागत प्रयास

7. **औपनिवेशिक भारत में आर्थिक एवं सामाजिक व्यवस्था** 87
   विनीत कुमार सिन्हा

कृषि पर उपनिवेशवाद का प्रभाव, कृषि के वाणिज्यीकरण का किसानों पर प्रभाव, वाणिज्यिक कृषि पर किसानों की बढ़ती निर्भरता, भूमि-संबंध, भू-राजस्व संबंधी बंदोबस्त, भूमि बंदोबस्त : उद्देश्य एवं प्रभाव, पारिस्थितिकी पर प्रभाव, वि-औद्योगीकरण, ब्रिटिश उपनिवेशवाद : प्रभाव संबंधी विमर्श, भारत में ब्रिटिश उपनिवेशवाद पर कार्ल मार्क्स, ब्रिटिश उपनिवेशवादी प्रभाव : भारतीय मत

8. ब्रिटिश शासन का उद्योग एवं व्यापार पर प्रभाव 115
हीरा सिंह बिष्ट

ब्रिटिश शासन : उद्योग, वित्त और व्यापार पर प्रभाव, जूट उद्योग, सूती कपड़ा उद्योग, लोहा और इस्पात उद्योग, द कैंब्रिज इकोनॉमिक हिस्ट्री ऑफ इंडिया, भारत में उद्योग और व्यापार के संदर्भ में भारतीय औद्योगिक पूँजीपति वर्ग का विकास

9. अंग्रेजों का सभ्यताकरण मिशन 140
रंजीत कुमार

सभ्यताकरण का औचित्य, साम्राज्यवादी विचारधारा : उपयोगितावादी एवं मिशनरी, आधुनिक शिक्षा एवं मिशनरी, ब्रिटिश शासन में राजनीति, कानून, धार्मिक एवं सामाजिक स्थिति

10. ब्रिटिश भारत में जनगणना 155
नीतू शर्मा

जनगणना सर्वेक्षण : आरंभिक चरण (1780-1870), आधुनिक जनगणना प्रक्रिया का विकास (1871-1901 तक), 1901 के पश्चात् (1901-1941)

11. राष्ट्रीय आंदोलन में महिलाओं की भूमिका 168
पिंकी पूनिया

समाज सुधार आंदोलन और महिला प्रश्न, राष्ट्रीय आंदोलन में महिला सहभागिता का पहला दौर, स्वदेशी आंदोलन, असहयोग आंदोलन, महिला संगठनों का गठन, राष्ट्रीय आंदोलन में महिला सहभागिता का दूसरा दौर और महिला मुद्दे, सविनय अवज्ञा आंदोलन, क्रांतिकारी और कम्युनिस्ट आंदोलन में महिला भागीदारी, भारत छोड़ो आंदोलन, भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन में उपाश्रित वर्ग की भूमिका/सहभागिता,

12. **औपनिवेशिक शिक्षा, नव-मध्यम वर्ग व नागरिकता** 194
सोनाली चितालकर

भूमिका, भारत में औपनिवेशिक शिक्षण का तात्त्विक आधार, शिक्षा तथा मध्यम वर्ग का निर्माण, औपनिवेशिक नागरिक को परिभाषित करने वाले लक्षण, दलित वर्ग एवं अंग्रेजी शिक्षण

13. **कृषक, जनजातीय तथा मजदूर आंदोलन** 206
कृष्ण मुरारी

कृषक आंदोलन की पृष्ठभूमि, प्रारंभिक ब्रिटिश भारत में कृषक विद्रोह, कृषकों की पहल पर विद्रोह, धार्मिक प्रभाव के कृषक आंदोलन, 1857 के बाद होने वाले कृषक विद्रोह, स्वतंत्र भारत में कृषक आंदोलन, जनजातीय आंदोलन, जनजातीय आंदोलन का वर्गीकरण, जनजातीय विद्रोह : अंग्रेजों के आगमन से 1857 तक, जनजातीय विद्रोह : 1857-1947 तक, जनजातीय आंदोलन : स्वतंत्रता के बाद, मजदूर आंदोलन, मजदूर आंदोलन का वर्गीकरण, स्वतंत्र भारत में मजदूर आंदोलन

14. **1857 का विद्रोह** 249
अभय प्रसाद सिंह एवं सोनू कुमार

1857 के विद्रोह के अध्ययन के उपागम, राष्ट्रवादी उपागम, साम्राज्यवादी उपागम, मार्क्सवादी उपागम, अभिजातवर्गीय उपागम, उपाश्रित वर्गीय उपागम, दलित उपागम, विद्रोह के कारण, विद्रोह का प्रसार/प्रभाव क्षेत्र, विद्रोह की प्रकृति, विद्रोह में विभिन्न वर्गों की भूमिका, विद्रोह का दमन, असफलता के कारण, विद्रोह के परिणाम, विद्रोह का महत्त्व

15. **राष्ट्रीय पुनर्जागरण : सामाजिक और धार्मिक सुधार आंदोलन** 269
हीरा सिंह बिष्ट

प्रमुख हिंदू धर्म सुधार, ब्रह्म समाज एवं राजाराम मोहन राय, प्रार्थना समाज, आर्य समाज और स्वामी दयानंद सरस्वती, विवेकानंद और रामकृष्ण मिशन, थियोसोफिकल सोसायटी एवं ऐनी बेसेंट, राष्ट्रीय जागरण और मुस्लिम समाजसुधार, अहमदिया आंदोलन और मिर्जा गुलाम अहमद, अलीगढ़ आंदोलन और सर सैयद अहमद खान, मुहम्मद इकबाल, भारत में सामाजिक, धार्मिक सुधार के संदर्भ में दलित आंदोलन, सत्यशोधक समाज और ज्योतिराव फुले, द्रविड़ आंदोलन, आत्मसम्मान आंदोलन, सुधार-विरोध

(पुनरुत्थानवाद) की राजनीति, उन्नीसवीं सदी में हिंदुओं में सामाजिक सुधार तथा उसकी समीक्षा

16. राष्ट्रीय आंदोलन के विभिन्न चरण 295
दीपक कुमार

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना, नरमपंथी : मुद्दे एवं कार्यक्रम, नरमपंथी विरोध और विधायिका, नरमपंथियों की सफलता? गरमपंथी एवं स्वदेशी, स्वदेशी आंदोलन की रचनात्मकता, सशस्त्र क्रांतिकारी और उनकी गतिविधियां, राष्ट्रीय आंदोलन में महिलाओं की भागीदारी, स्वतंत्रता आंदोलन में मुसलमानों का योगदान, वहाबी आंदोलन (1820–1870), सांप्रदायिक चेतना और मुस्लिम लीग का गठन

17. महात्मा गाँधी और राष्ट्रीय जनआंदोलन 322
सुशान्त कुमार झा

असहयोग आंदोलन की पृष्ठभूमि, असहयोग आंदोलन 1920-22), नागरिक अवज्ञा आंदोलन, भारत छोड़ो आंदोलन, आलोचनात्मक मूल्यांकन,

18. राष्ट्रवादी आंदोलन : समाजवादी विकल्प 349
विनीत कुमार सिन्हा

समाजवादी विकल्प : कांग्रेस समाजवादी व साम्यवादी, खिलाफत और असहयोग आंदोलन, श्रमिक आंदोलन, वामपंथ का उदय, नेहरू की यूरोप यात्रा एवं वैचारिक बदलाव, कांग्रेस का मद्रास एवं लाहौर अधिवेशन, भगत सिंह एवं मार्क्सवाद, श्रमिक उभार एवं वामपंथ, कांग्रेस समाजवादी दल, कांग्रेस समाजवादी पार्टी बनाम कम्युनिस्ट , द्वितीय विश्वयुद्ध एवं किसान आंदोलन, त्रिपुरी संकट एवं द्वितीय विश्व युद्ध की परिस्थिति, विश्वयुद्ध के बाद की स्थिति, संविधान सभा और वामपंथ

19. भारतीय राष्ट्र : जातिगत चेतना 383
अभय प्रसाद सिंह एवं दीपक कुमार

प्राचीन भारत में ब्राह्मण विरोधी चेतना, मध्यकाल में भक्ति आंदोलन और जातिगत चेतना, अंग्रेजी राज में जातिगत चेतना, औपनिवेशिक भारत में ब्राह्मण विरोधी चेतना, उत्तर-औपनिवेशिक भारत में जाति के हितों का

प्रश्न, अंबेडकर और गाँधी, अछूतानंद और दलित चेतना, जगजीवन राम, उत्तर-औपनिवेशिक भारत की राजनीति में जाति की भूमिका

20. **भारतीय राजनीति में सांप्रदायिकता : द्वि-राष्ट्र सिद्धांत और विभाजन** 402
दिनेश कुमार

सांप्रदायिकता पर इतिहास लेखन, आधुनिक भारत में सांप्रदायिकता का उदय एवं विकास, भारत में मुस्लिम एवं हिंदू सांप्रदायिकता का उद्भव, हिंदू सांप्रदायिकता का उदय, हिंदू-मुस्लिम एकता लखनऊ समझौता 1916, हिंदू-मुस्लिम सांप्रदायिकता, हिंदू-मुस्लिम एकता का पुनः प्रयास, जिन्ना की 14 सूत्री मांगें, उग्रवादी सांप्रदायिकता का दौर, द्वि-राष्ट्र का सिद्धांत, माउंटबेटन योजना और भारत का विभाजन, विभाजन : अंतर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य, विभाजन पर इतिहासलेखन, द्वि-राष्ट्र सिद्धांत : एक विमर्श, विभाजन पर औपनिवेशिक शक्ति के विचार, इंडियन नेशनल कांग्रेस व इसके नेताओं के विचार, हिंदू महासभा का विभाजन पर विचार, डॉ. बी.आर. अंबेडकर के विभाजन पर विचार, मुस्लिम लीग के नेताओं का विचार, अन्य मुस्लिम संगठन व नेताओं के विचार, कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया के विचार, कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी का विचार, कांग्रेस की दोषपूर्ण नीतियां

परिशिष्ट

I. संदर्भिका 431
II. स्मरणीय व्यक्तित्व 435
III. पारिभाषिक शब्दावली 443
IV. प्रमुख घटनाओं का विवरण 450
V. अनुक्रमणिका 490